डाक पंजीयन संख्या केपीसिटी 16/2024-26

https://nyaydhara.page

न्याय धारा

nyaydharaknp @nyaydharaknp

वर्ष-22 अंक-4 कानपुर, गुरूवार 15 मई 2025 हिन्दी साप्ताहिक पृष्ठः 8 मूल्य- 2:00 रूपया

प्रधानमंत्री मोदी का पाक को संदेश

पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता

नई दिल्ली, एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संदेश में आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति और निर्णायक कार्रवाई को स्पष्ट रूप से सामने रखा। उन्होंने कहा कि भारत अब आतंकी हमलों पर 'मुंहतोड़ जवाब' देगा। न्यूक्लियर हथियारों के जरिए ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आतंक पर अपने शर्तों पर कार्रवाई करेगा।

प्रधानमंत्री ने दुनिया को भी यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की नीति में आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, न ही व्यापार संभव है। उन्होंने कहा, ÷पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। यह युग भले ही पारंपरिक युद्ध का न हो, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान से कोई बातचीत केवल आतंकवाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर ही केंद्रित होगी।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जिन आतंकी कैंपों पर कार्रवाई की गई, उनके तार 9/11, लंदन बम धमाकों और 26/11 मुंबई हमलों से जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकियों को विदाई देने के लिए जब बड़े-बड़े पाकिस्तानी अधिकारी पहुंचे, तो यह दुनिया के लिए बड़ा सबूत है कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान को बचना है, तो उसे अपने आतंकी ढांचे को पूरी तरह समाप्त करना होगा। इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

अपने 20 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, आतंकी संगठन और उनके सरपरस्त अब जान चुके हैं कि बहनों-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। 22 अप्रैल की बर्बरता ने देश और दुनिया को झकझोर दिया था, लेकिन भारत ने एक स्वर में इसका जवाब दिया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह आतंक के समर्थन की कीमत चुकाने को तैयार रहे। कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल अब नहीं चलेगा। हम आतंकियों और उन्हें समर्थन देने वाली सरकारों के बीच कोई भेद नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आतंक को समर्थन देना पाकिस्तान सरकार के हित में नहीं है और आंतक को खाद पानी देना पाकिस्तान को एक दिन समाप्त कर देगा।प्रधानमंत्री ने बताया कि पाकिस्तान के अनुरोध पर भारत ने अस्थायी रूप से सैन्य कार्रवाई स्थगित की है। लेकिन भारत का अगला कदम इस पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान भविष्य में कैसा व्यवहार करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर युद्ध की थी, लेकिन भारत ने सीधे उसके सीने पर वार किया। इससे घबराकर पाकिस्तान ने आक्रामक कार्रवाई से बचने के रास्ते ढूंढने शुरू कर दिए और दुनियाभर में गुहार लगाई। अंततः 10 मई की दोपहर को पाक सेना ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क किया।

प्रधानमंत्री ने 6-7 मई को हुई भारतीय सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने अपनी प्रतिज्ञा को परिणाम में बदल दिया। भारतीय मिसाइलों और ड्रोन ने न केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, बल्कि दुश्मनों के हौसले भी पस्त कर दिए।प्रधानमंत्री ने भारत की सेना, वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह पराक्रम देश की हर मां, बहन और बेटी को समर्पित है। उन्होंने कहा कि दुनिया ने आत्मनिर्भर भारत की रक्षा क्षमताओं को मेड इन इंडिया डिफेंस के जरिए देखा है।

आतंकवाद की कमर तोड़ने का 'योगी मॉडल' पूरे देश में छाया, अन्य राज्यों ने भी अपनाया

लखनऊ, एजेन्सी। पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में न केवल अपराधियों की कमर तोड़कर रख दी गई है, बल्कि प्रदेश में आतंकवादी संगठनों के स्लीपिंग मॉड्यूल (सहयोगी) और असामाजिक तत्वों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। इस दौरान न सिर्फ आतंकियों के नेटवर्क को ध्वस्त किया, बल्कि टेरर फंडिंग, धार्मिक उन्माद, फर्जी दस्तावेज, विदेशी घुसपैठ पर करारा प्रहार किया गया है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का ही असर है कि आज उत्तर प्रदेश आतंकियों की पनाहगाह नहीं, बल्कि उनके खात्मे का मैदान बन चुका है। इसे योगी माडल नाम दिया गया है, जिसे अब अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए अन्य राज्य भी अपना रहे हैं।भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार के समय में पिछले आठ वर्षों में जहां एक ओर 230 दुर्दात अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया। वहीं दूसरी ओर आतंकवादी संगठनों के 142 स्लीपिंग मॉड्यूल को अरेस्ट किया है। इनमें प्रदेश में एक्टिव 131 स्लीपिंग मॉड्यूल आतंकवादी संगठनों को पनाह देने के साथ गोपनीय सूचनाएं पहुंचाते थे, जबकि एक आतंकवादी को मुठभेड़ में मार गिराया गया। आतंकवादी संगठनों को टेरर फंडिंग करने वाले 11 स्लीपिंग मॉड्यूल को अरेस्ट कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।राज्य पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आतंकवादी संगठनों के जिन स्लीपिंग मॉड्यूल को अरेस्ट किया गया, वह आईएसआईएस, एक्यूआईएस, जेएमबी, एबीटी, एलईटी, जेईएम, एचएम, आईएम-एसआईएमआई, नक्सल, पीएफआई, आईएसआई जैसे संगठनों से ताल्लुक रखते थे। एटीएस ने संगठित आतंकवादी नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने में किस तरह काम किया। इसके साथ ही एटीएस ने टेरर फंडिंग के खिलाफ भी पूरी ताकत से एक्शन लिया। आतंकवादी संगठनों को टेरर फंडिंग करने वाले 11 स्लीपिंग मॉड्यूल को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त भारतीय जाली मुद्रा के मामलों में 41 गिरफ्तारियां की गयी और 47.03 लाख रुपये की नकली मुद्रा बरामद की गई है।

मध्य प्रदेश की धरती पर अब नहीं बचेंगे नक्सली-यादव

भोपाल, एजेन्सी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष-2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को चार दिन की लड़ाई में पस्त कर दिया। गृह मंत्री शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित हो रहा है। इस अभियान को मजबूती देने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस किया जा रहा है। राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। बालाघाट की धरती पर यह अलंकरण समारोह नक्सलियों को सीधा संदेश है कि वे सरेंडर करें नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश की धरती पर नक्सल का खूनी खेल अब नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैज लगाकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नत कर किया और बधाई दी। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले के पिछले दिनों नक्सल मुठभेड़ों में शामिल रहे पुलिस फोर्स, हॉक फोर्स और विशेष सशस्त्र बल के 64 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्रम पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्य सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाएगा। क्रम पूर्व पदोन्नति पुलिस इतिहास में स्वर्णिम क्षण है। उन्होंने कहा कि बालाघाट कभी अत्यधिक नक्सल प्रभावित 12 जिलों की सूची में शामिल था। सरकार की मंशा और पुलिस के परिश्रम से अब केंद्र सरकार ने बालाघाट को गंभीर समस्या वाली श्रेणी से बाहर कर अन्य श्रेणी में रखा है। बालाघाट में नक्सल गतिविधियों में गिरावट प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बालाघाट में पुलिस के वीरों का सम्मान हो रहा है। पुलिसकर्मी जान की बाजी लगाकर नागरिकों की सुरक्षा करते हैं। मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले 37 वीर पुलिसकर्मियों को नमन करते हुए कहा कि जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु ऐसी हो, जिस पर देश, प्रदेश और समाज गर्व करे। बालाघाट में 169 करोड़ लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन मुख्यमंत्री ने समारोह में जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिले में किए गए विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने 169 करोड़ रुपये लागत के 93 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इनमें आयुर्वेदिक महाविद्यालय भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने बालाघाट में प्रदेश के 51वें आयुर्वेदिक कॉलेज की नींव रखी। इस अवसर पर सांसद भारती पारधी, विधायकगण राजकुमार कर्राहे, विक्की पटेल, राजकिशोर कावरे नानू, गौरव पारधी और पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालाघाट खनिज और जल संपदा से परिपूर्ण है। यहां तांबा और मैग्नीज के भंडार हैं। बालाघाट के चिन्नौर चावल को जीआई टैग प्राप्त होना, हमारे लिये गौरव की बात है। बालाघाट में

नक्सलियों के खात्मे के साथ विकास के कार्य भी निरंतर जारी हैं। यहां आयुर्वेद से जुड़ी भरपूर संपदा है। नर्सिंग और पैरामेडिकल के कोर्स भी आयुर्वेदिक कॉलेज में चलाए जाएंगे। एक समय था जब वर्ष 2002-03 तक मध्य प्रदेश में एलोपैथी के मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। अब प्रदेश में इनकी संख्या 30 है। इसके अतिरिक्त आठ और नए मेडिकल कॉलेज खुलने वाले हैं।उन्होंने कहा कि बालाघाट में सड़क विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। पीएम जनमन अभियान में देश में पहली सड़क बालाघाट में बन रही है, जो 23 किलोमीटर लंबी है। हमारी सरकार बेघरों को घर देकर गरीब से गरीब व्यक्ति की जिंदगी बेहतर करने का प्रयास कर रही है। आगामी 26 मई को नरसिंहपुर में कृषि मेला लगेगा। यहां किसानों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी। राज्य सरकार टमाटर सहित अन्य सब्जियों के भंडारण एवं प्र-संस्करण के लिए व्यवथा कर रही है।